कर्जदारों से बचने के लिए युवक ने खुद की मौत का बहाना बनाया

छत्तीसगढ़ भागे युवक को सात दिन बाद 3500 किमी पीछा कर रायपुर से दस्तयाब किया

भीलवाडा, (निसं)। जिले के कोटड़ी थाना क्षेत्र के जावल गांव से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हुये युवक की गुत्थी आखिरकार पुलिस ने सुलझा ली। कर्जदारों से बचने के लिए अपनी ही मौत का सीन क्रिएट कर छत्तीसगढ़ भागे युवक को सात दिन के अथक प्रयास के बाद 3500 किमी पीछा कर रायपुर से दस्तयाब कर लिया गया है।

एसपी आदर्श सिधू ने एसपी ऑफिस में प्रेसवार्ता के दौरान शुक्रवार को मामले का खुलासा करते हुए बताया कि कोटड़ी थाना क्षेत्र के जावल गांव निवासी नारायण जाट (27) पुत्र कन्हैयालाल जाट ने शेयर मार्केट में पैसा लगाया लेकिन घाटे में चला गया। इस पर उसने कर्जा लेकर और शेयर खरीदे लेकिन उसे फिर घाटा हो गया। इस तरह उस पर करीब 17-18 लाख रुपए का कर्जा हो गया। इस पर उसने कर्जदारों से बचने के लिए अपनी मौत का सीन क्रिएट करना चाहा और 17-18 दिसंबर की करीब 10 बजे की रात खेत पर जाने के बाद घर नहीं लौटा। इसके दौरान नारायण ने खेत पर आग जलाई और मरे जानवर (नील गाय) की हड्डियां उसमें डाल दी ताकि लोगों को लगे कि वह मर चुका है और कर्जदार पैसा मांगना बंद कर दे। उसने अपना मोबाइल भी आग में जला दिया और मोटरसाइकिल लेकर फरार हो गया। नारायण सोच रहा था कि कुछ दिनों बाद वह परिजनों से संपर्क कर लेगा और केवल उनके संपर्क में रहकर भीलवाड़ा छोड़ कहीं और जीवनयापन कर लेगा। इस नाटक की तैयारी नारायण ने तीन-चार दिन पहले ही शुरू कर दी थी। इसके लिए उसने अपना बैग पंचायत में पहले ही छिपा दिया था और अकाउंट से पैसे निकलवाकर नकदी लेकर चित्तौड़ के रास्ते गोवा, सोलापुर, ओरंगाबाद, नागपुर और रायपुर (छत्तीसगढ) पहुंचा। घटना के दिन नारायण को ढूंढते हुए परिजन खेत पर पहुंचे और आग और हड्डियां देख पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू की। डॉग स्क्वायड, साइबर सेल व एफएसएल टीम की मदद ली गई। खुद एसपी भी मौके पर पहुंचे और मुआयना किया। टीम ने सात दिन की मेहनत के बाद छत्तीसगढ के रायपुर से नारायण को दस्तयाब करने में सफलता हासिल की। पुलिस को नारायण के रायपुर में होने का सुराग उसके द्वारा कोटड़ी की एक मोबाइल शॉप से खरीदे नए मोबाइल में डाली गई सिम के एक्टिव होने पर मिली लोकेशन से लगा। एसपी आदर्श सिद्धू के निर्देशन व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शाहपुरा चंचल मिश्रा व कार्यवाहक वृत्ताधिकारी सज्जन सिंह के सुपरविजन में कोटड़ी थानाधिकारी विक्रम सेवावत व उप निरीक्षक भंवरलाल का वारदात का खुलासा करने में विशेष योगदान रहा।

भीलवाड़ा के कोटड़ी थाना क्षेत्र के जावल गांव से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हुये युवक की गुत्थी सुलझाने के बाद एसपी आदर्श सिधू ने प्रेसवार्ता कर जानकारी दी।

- जावल गांव निवासी नारायण जाट ने शेयर मार्केट में कर्जा लेकर और शेयर खरीदे थे लेकिन घाटा हो गया था
- युवक ने खेत पर आग जलाई और मरे जानवर की हड्डियां उसमें डाल दी थी

पुलिस रिसीवरी भूमि पर जबरन सरसों की फसल उगाई

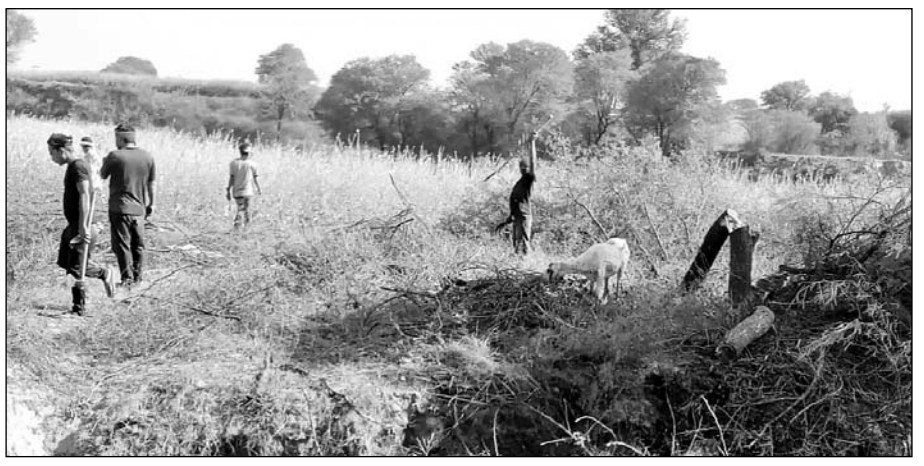

टोडाभीम के गांव नंदपुरा में नदी पेटे में स्थित पुलिस रिसीवर भूमि पर अनाधिकृत रूप से सरसों की फसल की बुवाई कर हरे वृक्षों की कटाई करने का मामला सामने आया है।

टोडाभीम, (नि.सं.)। ग्राम पंचायत सिंघनिया के गांव नंदपुरा में नदी पेटे में स्थित पुलिस रिसीवर भूमि पर अनाधिकृत रूप से सरसों की फसल की बुवाई कर हरे वृक्षों की कटाई करने का मामला सामने आया है।

ग्रामीण भरत सिंह गुर्जर, निहाल सिंह, राधेश्याम, अनूप सिंह, रमेश आदि ने बताया कि नंदपुरा की सीमा स्थित नदी पेटे में मौजूद जमीन को लगभग 1 वर्ष पूर्व तहसीलदार टोडाभीम द्वारा बालघाट पुलिस को सुपुर्द किया था परंतु पुलिस रिसीवरी भूमि पर पास के ही गांव तिघरिया निवासी कुछ लोगों ने अनाधिकृत रूप से सरसों फसल की बुवाई कर दी। इस समय सरसों की फसल खड़ी हुई है। ग्रामीणों ने बताया कि दो-तीन दिन पहले आरोपियों ने उक्त भूमि पर स्थित हरे वृक्षों की कटाई की है। जिसके संबंध में बाल घाट पुलिस को अवगत करा दिया परंतु बावजूद इसके पुलिस द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई है। ग्रामीणों ने बताया कि इस संबंध में पूर्व में भी कई बार जिला कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक को शिकायत दी गई है लेकिन आरोपियों के खिलाफ अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है जिसे आरोपियों के हौसले बुलंद हैं।

- पुलिस आरोपियों के खिलाफ नहीं कर रही कार्रवाई, हौंसले बुलंद

इस संबंध में अबजीत कुमार थानाधिकारी बालघाट का कहना है कि कुछ लोगों ने पुलिस रिसिवरी भूमि पर अवैध कब्जा कर सरसों की बुवाई कर रखी है। मामला मेरी जानकारी में है। चुनाव की वजह से कार्रवाई नहीं कर पाए, जल्द ही कार्रवाई की जायेगी।

बंद पड़ी मार्बल माईंस से चोरी के आरोप में तीन गिरफ्तार

राजसमंद, (निसं)। राजनगर थाना क्षेत्र के सापोल स्थित एक मार्बल माईंस से रात्रि के समय विद्युत उपकरण चुराने के मामले में राजनगर थाना पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस द्वारा गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ राजनगर थाना क्षेत्र सहित अन्य थाना क्षेत्रों में भी चोरी एवं नकबजनी के मामले दर्ज है। जिले के मार्बल एरिया क्षेत्रों में कई चोर गिरोह सक्रिय है जो बंद पडी मार्बल माईंस को अपना टारगेट बनाकर वहां चोरी की वारदातों को अंजाम देते है।

राजनगर थानाधिकारी डॉ. हनवंतसिंह राजपुरोहित ने बताया कि पीड़ित दीवांशुसिंह भाटी निवासी हाउसिंग बोर्ड कांकरोली ने गत 22 दिसम्बर को राजनगर थाने में सोपाल के धोली घाटी स्थित उनकी मातेश्वरी मीन्केम प्रा.लि. मार्बल माईंस से गत 16 दिसम्बर की रात्रि को अज्ञात बदमाशों द्वारा विद्युत उपकरण सीटी बीटी इलेक्ट्रिक मेल और कैबल चुरा कर ले जाने की रिपोर्ट दर्ज करवाई। पुलिस ने चोरों की धरपकड़ के लिए टीम का गठन किया गया। टीम ने जगह-जगह दबिश देकर प्रभुलाल निवासी काढा डिप्टी खेडा, किशन भील एवं रतनलाल भील निवासी बोरज को गिरफ्तार किया। पुलिस द्वारा गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ करने पर उन्होंने बंद पड़ी मार्बल माईंस से विद्युत उपकरण एवं कैबल चोरी करना स्वीकार किया। मामले को लेकर पुलिस द्वारा अनुसंधान एवं पूछताछ जारी है।

राजसमंद के सापोल में बंद पड़ी मार्बल माईंस से केबल व विद्युत उपकरण चुराने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपी गिरफ्तार किए।

रात तक मेरा नाम तय था, कांग्रेस में काम की कद्र नहीं : शंकर पन्नू

श्रीगंगानगर, (निसं)। कांग्रेस के बहुमत वाले श्रीगंगानगर जिला परिषद में प्रमुख पद के एक दावेदार पूर्व सांसद शंकर पन्नू वोट देकर बाहर निकलने के कुछ देर बाद फूट-फूट कर रोने लगे। यहां जिला परिषद में कांग्रेस को बहुमत मिला था, लेकिन परिषद के सभापति के लिए कांग्रेस के दो नेता मैदान में डट गए।

पन्नू अंतिम समय में अपना टिकट कटने से खफा थे और जब उन्हें अपनी ही पार्टी के प्रतिद्वंदी को वोट देना पड़ा तो उनकी आंखों में आंसू आ गए।

दुखी मन से उन्होंने कहा कि पार्टी में काम करने वालों की कोई इज्जत नहीं है। यही कारण है कि रात साढ़े बारह बजे तक उनका नाम फाइनल था, लेकिन रात में ऐसा क्या हुआ कि सुबह टिकट लेकर कोई और आ गया। यह जगजाहिर है कि कुलदीप इंदौरा को टिकट कैसे मिला होगा।

असल में जिला परिषद चुनाव में कांग्रेस को 25 सीटों पर जीत मिलने के बाद पार्टी में जिला प्रमुख के लिए दो दावेदार थे। इनमें एक नाम था एआईसीसी सेक्रेटरी कुलदीप इंदौरा और दूसरे दावेदार थे पूर्व सांसद शंकर पन्नू। शंकर पन्नू का आरोप है कि रात में नाम फाइनल करने के बाद ऑब्जर्वर ने उन्हें नामांकन दाखिल करने की तैयारी को बोल दिया था।

यही बात सुनने के बाद वे घर लौट गए थे, लेकिन सुबह अचानक बदलाव से वे काफी शॉक्ड थे। पन्नू बोले रात तक तो पार्टी ऑब्जर्वर ने उन्हें कहा गया कि बहुमत उनके साथ है तो वे नॉमिनेशन की तैयारी करें लेकिन सुबह इंदौरा का नाम फाइनल कर दिया गया।

शराब से भरी पिकअप पलटी

भीलवाडा, (निसं)। जिले के रायला थाना इलाके गुजर रहे नेशनल हाईवे 79 पर में शराब से लदी पिकअप टायर फटने से अनियंत्रित होकर पलट गई, हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। पिकअप पलटने के बाद सड़क पर बिखरी शराब कि बोतले के कारण कुछ देर के लिए जाम लग गया था।

रायला थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार रामपुरा चौराहा की पुलिया के आगे अजमेर भीलवाड़ा नेशनल हाईवे पर शराब से भरी पिकअप पलटने से शराब की बोतलें सडक पर बिखर गई। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जहां सरदार शहर की तरफ से आ रही तेज रफ्तार पिकअप का टायर फटने से अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराकर पलट जाने और शराब की बोतलें सडक पर बिखर जाने की जानकारी मिली।

पुलिस ने आबकारी विभाग की टीम को इसकी सूचना दी। करीब 8 लाख रूपए कीमत की यह शराब चित्तौड़ ले जाई जा रही थी।

आरटीआई कार्यकर्ता के साथ मारपीट मामले में ज्ञापन भेजा

पाटन, (निसं)। आरटीआई कार्यकर्ता अमराराम जाट जिला बाड़मेर थाना क्षेत्र गिडा में आरटीआई कार्यकर्ता के साथ मारपीट करने वालों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई कर दोषियों को सख्त सजा दिलवाने व राजस्थान में सरकार द्वारा सामाजिक व आरटीआई कार्यकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करवाने को लेकर शुक्रवार को कस्बे के सामाजिक एवं आरटीआई कार्यकर्ताओं ने उपखंड अधिकारी बृजेश कुमार गुप्ता के जरिए मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा।

ज्ञापन में अवगत कराया कि गिड़ा में आरटीआई कार्यकर्ता जाट के साथ जो अमानवीय घटना हुई है वह निंदनीय है। बाड़मेर में आरटीआई कार्यकर्ता के साथ जिन दबंग किस्म के लोगों द्वारा मारपीट कर अमानवीय तरीके से बर्बरता पूर्वक अपराधिक कर्त्य किया गया है उन लोगों के खिलाफ कठोर कार्यवाही की जाये तथा सरकार द्वारा भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज बुलन्द कर भ्रष्टाचार का खुलासा करने वाले सामाजिक कार्यकर्ताओं, आरटीआई कार्यकर्ताओं को सुरक्षा दिलवाने के लिए राज्य सरकार द्वारा सख्त कानून बनाकर आरटीआई कार्यकर्ताओं की सुरक्षा सुनश्चित की जाये। संसद में 2015 में व्हिसल ब्लोअर प्रोटेक्शन संशोधित एक्ट पारित कर चुकी है। इसमें सुरक्षा का प्रावधान है सरकार द्वारा रूल्स बनाए जाये। इस अवसर पर आरटीआई कार्यकर्ता श्रवण सिंह, पूरणमल यादव, एडवोकेट फतेह सिंह सैनी, नत्थू सिंह तंवर, ओम प्रकाश महला, रविंद्र सिंह जाखड़, धर्मपाल सैनी, मालीराम स्वामी सहित अनेक सामाजिक एवं आरटीआई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

- बाड़मेर के आरटीआई कार्यकर्ता अमराराम के साथ मारपीट का है मामला

होटल व्यवसायी ने गोली मारकर आत्महत्या की

उदयपुर, (कासं)। शहर के अम्बामाता थाना क्षेत्र में होटल व्यवसायी ने अपनी होटल में अपनी लाईसेंसी रिवाल्वर से कनपटी पर गोली मार कर आत्महत्या कर ली।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार सांय होटल व्यवसायी अनिल पुरोहित (57) पुत्र कन्हैयालाल पुरोहित ने शुक्रवार सांय अम्बामाता थाना क्षेत्र राड़ाजी चौराहा पर स्थित होटल लवित्रा के कमरे में अपनी लाईसेन्सी रिवाल्वर से कनपटी पर गोली मार कर आत्महत्या कर ली। इसकी सूचना मिलने पर अम्बामाता थानाधिकारी सुनिल टेलर मय टीम ने मौके पर पहुंच कर उच्चाधिकारियों को घटना की जानकारी दी। इस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर गोपाल स्वरूप मेवाड़ा, पुलिस उप अधीक्षक जितेन्द्र आंचलिया मौके पर पहुंच कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। तलाशी में मिले सुसाईड नोट में आर्थिक तंगी के चलते सुसाईड करने की जानकारी सामने आई है।

पुलिस ने मामले की गहनता से जांच कर रही है। पुलिस ने मृतक को मौके से हटा कर एमबी चिकित्सालय मोर्चरी में रखवाया है। समाचार लिखे जाने तक जांच जारी है।

- सुसाईड नोट में आर्थिक तंगी के चलते सुसाईड करने की जानकारी सामने आई

चाचा श्याललाल को हराकर केशरी शर्मा बने उपप्रधान

सरदारशहर, (निसं)। पंचायत समिति में शुक्रवार को संपन्न हुए उप प्रधान के चुनाव में भाजपा समर्थित चाचा श्यामलाल शर्मा को हराकर केशरी शर्मा उप प्रधान बने। कांग्रेस प्रत्याशी केशरी शर्मा को 13 व भाजपा समर्थित निर्दलीय प्रत्याशी श्यामलाल शर्मा को 12 मत मिले। इस प्रकार केशरी शर्मा 1 मत से जीत दर्ज की। केशरी शर्मा ने अपने सगे चाचा श्यामलाल को हराकर प्रधान चुनाव का बदला लिया। पंचायत समिति परिसर में चारों तरफ पुलिस का जाब्ता लगाया गया। सुबह कांग्रेस से केशरी शर्मा, भाजपा से मोहनराम बाना व निर्दलीय श्यामलाल ने उप प्रधान पद के लिए अपने नामांकन दाखिल किए। इसके बाद भाजपा के मोहनराम बाना ने अपना पर्चा उठा लिया।

एटीएम काटने का प्रयास करने वाले तीन गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। शहर के हिरणमगरी थाना क्षेत्र में बैंक ऑफ बड़ोदा एटीएम तोड़ने का प्रयास करने के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया।

प्रकरण के अनुसार15 दिसंबर 2021को पीड़ित वैभव लक्ष्मी सोसायटी मानेषा बड़ोदा गुजरात हॉल बैक आफ बड़ौदा के मैनेजर सुधान्शु कुमार पुत्र विनोदसिंह ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया कि सेटेलाईट हॉस्पीटल सेक्टर 6 के सामने एटीएम है। 11 दिसंबर रात में अज्ञात दो बदमाश एटीएम में घुसे तथा सीसीटीवी केवरे का वॉयर को काट कर एटीएम को खोलने का प्रयास किया। हेदराबाद आईवीआईआई से उक्त घटना की जानकारी मिलने पर अभय कमाण्ड को सूचना दी। इसकी सूचना मिलने पर हिरणमगरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। इससे पूर्व बदमाश मौके से फरार हो गए। इस मामले में एसपी मनोज चौधरी के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर गोपाल स्वरूप मेवाड़ा, पुलिस उप अधीक्षक राजीव जोशी के सुपरविजन में हिरणमगरी थानाधिकारी रामसुमेर मीणा के नेतृत्व में टीम ने साक्ष्यों के आधार पर पुराना शिव मंदिर मखनपुर पीएस इन्द्रापुरम गालियाबाद युपी निवासी देवदत्त शर्मा, मंगला विहार द्वितीय सनिगवा रोड़ कानपुर थाना चकेरी जिला कानपुर युपी हॉल गली नम्बर 3 मधु विहार आईफी एक्सटेंशन पडपडगंज पूर्व दिल्ली निवासी राहुल बाथम, एलआईजी वैष्णवी विहार जारोली फेज नंबर 2 पीएस नौबरस्ता जिला कानपुर युपी निवासी गौरव पाल पुत्र देवप्रकाश को प्रोडक्शन वारण्ट जरिये गिरफ्तार किया।

अजमेर केन्द्रीय कारागृह में फिर मिले 4 मोबाइल व 4 बेटरी

अजमेर, (कासं)। प्रदेश की सबसे सुरक्षित माने जाने वाली अजमेर की सेंट्रल जेल अब मोबाइल का अड्डा बन चुकी है। सेंट्रल जेल से आए दिन मोबाइल मिल रहे हैं, इससे जेल की सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। जेल में बंदियों की बैरक से मोबाइल फोन व अन्य सामग्री मिलने से यहां तैनात अधिकारी व कर्मचारियों को भी संदेह के दायरे में ला खड़ा कर दिया है। गुरुवार देर रात को जेल प्रशासन द्वारा चलाए गए अभियान के दौरान 4 मोबाइल व 4 बेटरी मिली है। जेल प्रशासन द्वारा सिविल लाइन थाने में मामला दर्ज करवाया है।

सेंट्रल जेल में चलाए जा रहे निरीक्षण अभियान के दौरान जेल के बैरक की जमीन और दीवारों से मोबाइल सहित अन्य प्रतिबंधित सामग्री बरामद हो रही है। सेन्ट्रल जेल में बंदियों के मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर अंकुश लगाने के लिए जेल अधीक्षक सुमन मालीवाल सुबह, शाम और रात में अचानक तलाशी ले रही है।

ऐसे में बंदियों को न तो मोबाइल फोन पर बात करने का समय मिल पाता है ना उसको छिपाने का। ऐसे में बंदी बैरक के आसपास, टॉयलेट की दीवार, छत, पेड़-पोधे के पास की मिट्टी में दबा देते हैं। केंद्रीय कारागृह के वार्ड संख्या 1, 2 और 14 की तलाशी के दौरान पानी की टंकी के पास जमीन में लावारिस हालत में 4 मोबाइल व 4 बैटरी पाई गई। जेल प्रशासन द्वारा इस संबंध में सिविल लाइन थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है।

मालूम हो कि सेंट्रल जेल अधीक्षक सुमन मालीवाल के पदभार ग्रहण करने के बाद जेल में सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान जेल के बैरक की जमीन और दीवारों से मोबाइल सहित अन्य प्रतिबंधित सामग्री बरामद हो रही है। जेल प्रबंधन द्वारा 28 नवम्बर से 23 दिसंबर तक 13 बार तलाशी अभियान चलाकर अब 53 मोबाइल व अन्य प्रतिबंधित समान पकड़ा है।

- 26 दिन में मिले 53 मोबाइल व अन्य प्रतिबंधित सामान

राज्य सरकार व कलेक्टर के खिलाफ भाजपाइयों में रोष

बाड़मेर, (निसं)। बाड़मेर जिला मुख्यालय पर राजस्थान की कांग्रेस सरकार के खिलाफ शुक्रवार को भाजपा ने जन आक्रोश रैली का आयोजन किया। जिसमें उप प्रतिपक्ष नेता राजेन्द्र राठौड़, सांसद राजेन्द्र गहलोत, केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी सहित कई बड़े नेता व पदाधिकारी शामिल हुए।

भाजपा की इस जन आक्रोश रैली के बाद सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ भाजपा नेता राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपने जिला कलेक्टर के पास पहुंचे, लेकिन उस दौरान जिला कलेक्टर कार्यालय में मौजूद नहीं थे। जिससे आक्रोशित होकर नेताओं ने ज्ञापन को कुर्सी पर छोड़ दिया और रवाना हो गए। इस दौरान जिला कलेक्टर पहुंच गए, लेकिन भाजपा नेताओं ने पीछे मुड़कर नहीं देखा और रवाना हो गए। जिला कलेक्टर ने भी ज्ञापन नहीं लिया।

जानकारी के मुताबिक जिस समय भाजपा नेता कलेक्टर को ज्ञापन देने कलेक्टर कार्यालय पहुंचे, उस वक्त जिला कलेक्टर लंच में गए हुए थे और सूचना मिलते ही तुरंत कार्यालय पहुंच गए, लेकिन तब तक भाजपा नेता अपना आक्रोश जता चुके थे। ज्ञापन लेने के लिए जिला कलेक्टर के उपस्थित नहीं होने पर विधानसभा के उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड एवं केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी ने राज्य सरकार एवं जिला कलेक्टर सहित प्रशासन की आलोचना की।

राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि यह मुख्यमंत्री अशोक गहलोत एवं राज्य की कांग्रेस सरकार का तानाशाही रवैया लोकतंत्र के लिए शर्मनाक है। इतनी बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों एवं आमजन के मौजूद होने के बावजूद जिला कलेक्टर का कार्यालय में उपस्थित नहीं होना उनके गैर जिम्मेदार रवैये को दिखाता है।

केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री व स्थानीय सांसद कैलाश चौधरी ने जन आक्रोश रैली के रूप में भाजपा नेताओं की ओर से ज्ञापन लेने के लिए जिला कलेक्टर के उपस्थित नहीं होने पर विरोध दर्ज कराते हुए कहा कि तथाकथित रूप से खुद को गांधीवादी कहने और समझने वाले मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को यह व्यवहार शोभा नहीं देता है।

इतनी बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों व आमजन के मौजूदगी के बावजूद जिला कलेक्टर की अनुपस्थिति कांग्रेस की लोकतंत्र में भरोसे की पोल खोल दी। यह जनप्रतिनिधियों के साथ ही जिले की जनता का अपमान है। इस दौरान राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत, पूर्व मंत्री अमराराम चौधरी, सिवाना विधायक हमीर सिंह भायल, पूर्व विधायक डॉ जालम सिंह रावलोत, पूर्व विधायक तरुणराय कागा, बाडमेर भाजपा जिलाध्यक्ष आदूराम मेघवाल एवं बालोतरा भाजपा जिलाध्यक्ष महेश चौहान ने भी राज्य सरकार एवं जिला कलेक्टर के व्यवहार के खिलाफ विरोध दर्ज कराया।

- जन आक्रोश रैली के बाद कई नेता व पदाधिकारी ज्ञापन सौंपने कलेक्टर के पास पहुंचे थे
- लेकिन उस दौरान जिला कलेक्टर कार्यालय में मौजूद नहीं थे, सूचना मिलते ही तुरंत कार्यालय पहुंच गए, लेकिन तब तक भाजपा नेता आक्रोश जता चुके थे

छोटे किसानों के जीवन में बड़ा बदलाव ला सकती है सहकारिता कृषि : राज्यपाल

कोटा, (निसं)। कृषि विश्वविद्यालय का पंचम दीक्षान्त समारोह शुक्रवार को श्रीनाथपुरम के यूआईटी सभागार में आयोजित किया गया। जिसमें समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल एवं कुलाधिपति कलराज मिश्र ने राजभवन जयपुर से ऑनलाईन वर्चुअल माध्यम से की। राज्यपाल कृषि विश्वविद्यालय के पांचवे दीक्षान्त समारोह के अवसर पर राजभवन से ऑनलाइन सम्बोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि सहकारिता कृषि से खेती की लागत में कमी आने के साथ-साथ उत्पादन भी अधिक होता है, जिसका उचित मूल्य भी किसानों को प्राप्त हो पाता है। राज्यपाल एवं कुलाधिपति ने कहा है कि सहकारिता कृषि छोटे किसानों के जीवन में बड़ा और सकारात्मक बदलाव ला सकती है। उन्होंने कहा कि भारतीय परिप्रेक्ष्य में सहकारिता कृषि को व्यावहारिक बनाते हुए इसे बढ़ावा देने की दिशा में कृषि विश्वविद्यालयों को कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जमीन और पानी की कमी तथा कृषि उत्पादन के लागत मूल्य में बढ़ोतरी की चुनौती से निपटने के लिए इस दिशा में शोध और नवाचार को प्रोत्साहित किया जाना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि किसान हितैषी योजनाओं के साथ खेती के आधुनिक ज्ञान-विज्ञान के प्रसार के क्षेत्र में कृषि विश्वविद्यालयों को प्रभावी भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि अभी उपलब्ध जल का अधिकतम उपयोग खेतों में होता है। अन्य क्षेत्रों में जल की जरूरत को पूरा करने के लिए कृषि क्षेत्र में जल प्रबंधन को लेकर गंभीर प्रयास करने होंगे। भूजल रिचार्ज पर भी और तेजी से कार्य करने की जरूरत है। राज्यपाल ने छात्राओं को अधिक स्वर्ण पदक मिलने पर खुशी जताते हुए कहा कि यह कृषि शिक्षा में बेटियों के बढ़ते रुझान का संकेत है।

उन्होंने फसलों की आठ नई उन्नत किस्मों एवं 38 नई तकनीकियों के विकास के लिए कृषि विश्वविद्यालय को बधाई दी। कृषि, उद्यानिकी एवं वानिकी संकाय के योग्य पाए गए विद्यार्थियों को स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी की उपाधियां तथा स्वर्ण पदक प्रदान किए।

कृषि, पशुपालन एवं मत्स्य विभाग मंत्री लालचन्द कटारिया ने कहा कि देश का करीब 10 प्रतिशत भूभाग और 6 प्रतिशत जनसंख्या राजस्थान में है, जबकि यहां मात्र एक प्रतिशत सतही जल ही उपलब्ध है। ऐसे में आधुनिक कृषि और नवाचारों के साथ पारम्परिक कृषि का समन्वय बनाए रखना बहुत जरूरी है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के पूर्व महानिदेशक डॉ. लक्ष्मण सिंह राठौड़ ने कहा कि कृषि यान्त्रिकीकरण ने कृषि क्षेत्र में आए सुधारों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कृषि विश्वविद्यालय, कोटा के कुलपति प्रो. डी.सी. जोशी ने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक, प्रसार एवं शोध गतिविधियों तथा विकास यात्रा का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि पांचवे दीक्षान्त समारोह में कुल 188 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गई। 15 विद्यार्थियों को कुल 17 स्वर्ण पदक प्रदान किये गये।

कोटा कृषि विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई।

- कृषि विश्वविद्यालय का पांचवां दीक्षान्त समारोह आयोजित